ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-८६
दिनांक-शुक्रवार,३० नवम्बर,२०१८

टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २७.८ एवं १३.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९१ सुबह में एवं दोपहर में ५५ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १६.० एवं दोपहर में २५.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१ से ५ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १ से ५ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल आ सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान १२ से १४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में हल्का कुहासा रह सकता है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। १ से ३ दिसम्बर को पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्त्तमान समय में उत्तर बिहार के ज्यादातर जिलों में (धान की कटाई के उपरांत) परती खेतों में बीजों के जमाव हेतु उपयुक्त नमी का अभाव देखा जा रहा है। अतः किसान भाई को सलाह दी जाती है कि रवी फसलों की बुआई के पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवश्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिश्चित हो सके।
- किसान भाई ५ दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई प्रारंभ करें। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्में जैसे *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* अनुशंसित है।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई ५ दिसम्बर तक अवश्य सम्पन्न कर लें। उत्तर बिहार के लिए सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की *पी०बी०डब्लू०-३४३, पी०बी०डब्लू०-४४३, सी०बी०डब्लू०-३८, डी०बी०डब्लू०-३९, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, के०-९१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८* किस्में अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो, बुआई पूर्व बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८० किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २० किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई सम्पन्न कर लें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। जिन किसानों के खेतों में आलू के पौधों की उँचाई १५-२० से०मी० हो गयी हो उन्हे आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई सम्पन्न करने का प्रयास करें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें।
- प्याज की स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें। पौधशाला में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर-पतवार की निकासी कर हल्की सिंचाई कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। किसान भाई १० दिसम्बर तक चना की बुआई अवश्य सम्पन्न कर लें। *पूसा-२५६, के०पी०जी०-५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२* चना के लिए अनुशंसित उन्नत कस्में हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पाँच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.४ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी